शोध पत्र- हिन्दी

Oct-Nov—2009

प्रेमचन्द : हिन्दी कहानियों का सांख्यिकीय परिचय एवं वर्गीकरण

*डॉ. विनय कुमार

*व्याख्याता, हिन्दी विभाग, गुरू नानक खालसा कॉलेज, यमुनानगर, हरियाणा

मूर्धन्य कहानीकार प्रेमचन्द ने हिन्दी एवं उर्दू भाशा में अनेक कहानियों का सृजन किया है। प्रेमचन्द की हिन्दी कहानियों की संख्या विद्वानों ने भिन्न–भिन्न मानी है, यथा, डा॰ सत्येन्द्र[1] के अनुसार लगभग 200 है । मन्मथनाथ गुप्त[2] तथा वि वम्भर 'मानव'[3] ने यह संख्या करीब 250 मानी है । डा॰ रामरतन भटनागर,[4] डा॰ ब्रह्मदत्त भार्मा[5] ने 250–300 (ढाई–तीन सौ) मानी है । डा॰ इन्द्रनाथ मदान[6], प्रो॰ वासुदेव[7], नन्ददुलारे वाजपेयी[8], डा॰ विमलकुमार जैन[9], रा॰ प्रका ा दीक्षित,[10] डा॰ पद्मसिंह भार्मा, 'कमले ा'[11] और डा॰ बलवन्त लक्ष्मण कोतमिरे[12] का अभिमत है कि यह संख्या लगभग 300 है । रामगोपाल सिंह चौहान[13], रा॰ प्रका ा दीक्षित[14] एवं रामजी पाण्डेय[15] के मत से यह संख्या 300 से अधिक है । डा॰ देवराज उपाध्याय[16], डा॰ श्रीपति भार्मा त्रिपाठी[17], डा॰ अश्टभुजा प्रसाद पांडेय[18], डा॰ लक्ष्मीनारायण लाल[19] का अभिमत है कि यह संख्या लगभग 400 है । सुरेन्द्र आनन्द[20] ने यह संख्या 273 मानी है तथा 273 कहानियों के नाम दिये हैं ।

इन 273 कहानियों के नामों में गुप्तधन भाग 2 की कहानी सौत (रजिया) को दो बार गिन लिया है[21] । इसी प्रकार ' ाांति' (गोपा–देवनाथ) मानसरोवर भाग एक की कहानी, 'नारी जीवन की कहानियां' संग्रह में 'अंतिम भाांति' भीर्शक से मिलती है, जिसको सुरेन्द्र आनन्द ने मातृ भीर्शक भिन्न होने के कारण दूसरी कहानी मान लिया है । अतः यह कहानी भी दो बार गिन ली गई है[22] ।

मानसरोवर भाग 6 में 'दुरा ाा' प्रहसन है जिसको सुरेन्द्र आनन्द ने कहानी मान लिया है[23] । इसी तरह मानसरोवर भाग 5 में मन्त्र नाम की तो दो कहानियां मन्त्र (लीलाधर चौबे) तथा मन्त्र (डा॰ चड्ढा) अव य हैं किन्तु भिन्न नाम की कोई भी कहानी मानसरोवर भाग 5 में नहीं है[24] । इस तरह सुरेन्द्र आनन्द की गणनानुसार 273 कहानियों में से 4 कहानियां निकल जाती है और उन की संख्या 269 रह जाती है ।

अमृतराय के अनुसार प्रेमचन्द की अब तक प्राप्त कुल कहानियां 266 हैं[25] । इन पंक्तियों के लेखक के अनुसार अब तक प्राप्त कुल कहानियों की संख्या 268 है ।

प्रेमचन्द की कहानियों की संख्या के विशय में भिन्न–भिन्न मतों को आगे के रेखाचित्र द्वारा अधिक स्पश्ट रूप से समझा जा सकता है ।

विद्वानों द्वारा प्रेमचन्द की कहानियों की संख्या –

डा॰ सत्येन्द्र	200
मन्मथनाथ गुप्त, वि वम्भर 'मानव'	250
डा॰ रामरतन भटनागर, डा॰ ब्रह्मदत्त भार्मा	250–300
प्रो॰ वासुदेव, नन्ददुलारे वाजपेयी, डा॰ विमल कुमार जैन, रा॰ प्रका ा दीक्षित, डा॰ पद्मसिंह भार्मा 'कमले ा', डा॰ बलवन्त लक्ष्मण कोतमिरे,	
डा॰ देवराज उपाध्याय, श्रीपति भार्मा त्रिपाठी	300
अश्टभुजाप्रसाद पांडेय, लक्ष्मीनारायण लाल ।	400
अमृतराय, सुरेन्द्र आनन्द, डा॰ विनय कुमार ।	270

प्रेमचन्द की कहानियां एवं प्रकाशन– तिथि[26]

क्रम संख्या	कहानी	संग्रह	कब प्रकाशित
1	दुनिया का सब से अनमोल रतन	.... गुप्त॰ 1	1907
2	सांसारिक प्रेम और देश–प्रेम	.... गुप्त॰ 1	1908 अप्रैल
3	भाोक का पुरस्कार	.... गुप्त॰ 1	1909 से पूर्व
4	भोख मखमूर	.... गुप्त॰ 1	1909 से पूर्व
5	पाप का अग्निकुण्ड	.... मान॰ 6	1910 मार्च
6	ि ाकार	.... मान॰ 1	1910 जून
7	रानी सारंधा	.... मान॰ 6	1910 सितम्बर
8	बड़े घर की बेटी	.... मान॰ 7	1910 सितम्बर
9	विक्रमादित्य का तेगा	.... गुप्त॰ 1	1911 जनवरी
10	राजा हरदौल	.... गुप्त॰ 6	1911 अप्रैल
11	आखिरी मंजिल	.... गुप्त॰ 1	1911 सितम्बर
12	गरीब की हाय	.... मान॰ 8	1911 अक्तूबर
13	आल्हा	.... गुप्त॰ 1	1912 जनवरी
14	ममता	.... मान॰ 5	1912 फरवरी
15	नसीहतों का दफ्तर	.... गुप्त॰ 1	1912 जून
16	राजहठ	.... गुप्त॰ 1	1912 सितम्बर

17	त्रिया चरित्र	.... गुप्त॰ 1	1913 जनवरी	75	हार की जीत	: मान॰ 8	1922 मई
18	अमावस्या की रात्रि	.... मान॰ 6	1913 अप्रैल	76	स्वत्व रक्षा	: मान॰ 8	1922 जुलाई
19	धर्म संकट	.... मान॰ 8	1913 मई	77	अधिकार–चिन्ता	: मान॰ 6	1922 अगस्त
20	मिलाप	.... गुप्त॰ 1	1913 जून	78	चकमा	: मान॰ 6	1922 नवम्बर
21	अंधेर	.... गुप्त॰ 1	1913 जुलाई	79	पूर्व–संस्कार	: मान॰ 8	1922 दिसम्बर
22	सिर्फ एक आवाज़	.... गुप्त॰ 1	1913 जुलाई	80	मनावन*	: गुप्त॰ 1	1923 से पूर्व
23	बांका जमींदार	.... गुप्त॰ 1	1913 सितम्बर	81	विजय *	: गुप्त॰ 1	1923 से पूर्व
24	अमृत	.... गुप्त॰ 1	1914 से पूर्व	82	मुबारक बीमारी*	: गुप्त॰ 1	1923 से पूर्व
25	कर्मों का फल	.... गुप्त॰ 1	1914 से पूर्व	83	वासना की कड़ियां*	: गुप्त॰ 1	1923 से पूर्व
26	नमक का दारोगा	.... मान॰ 8	1914 से पूर्व	84	होली की छुट्टी*	: गुप्त॰ 2	1923 से पूर्व
27	नेकी	: गुप्त॰ 1	1914 से पूर्व	85	नादान दोस्त*	: गुप्त॰ 2	1923 से पूर्व
28	अनाथ लड़की	: गुप्त॰ 1	1914 जून	86	प्रति ाोध*	: गुप्त॰ 2	1923 से पूर्व
29	खून सफेद	: मान॰ 8	1914 जुलाई	87	देवी* (अनाथ विधवा)	: गुप्त॰ 2	1923 से पूर्व
30	ि ाकारी राजकुमार	: मान॰ 8	1914 अगस्त	88	खुदी*	: गुप्त॰ 2	1923 से पूर्व
31	अपनी करनी	: गुप्त॰ 1	1914 अक्तूबर	89	राश्ट्र का सेवक*	: गुप्त॰ 2	1923 से पूर्व
32	पछतावा	: मान॰ 6	1914 नवम्बर	90	कातिल*	: गुप्त॰ 2	1923 से पूर्व
33	विस्मृति	: मान॰ 7	1915 फरवरी	91	बन्द दरवाजा*	: गुप्त॰ 2	1923 से पूर्व
34	गैरत की कटार	: गुप्त॰ 1	1915 जुलाई	92	तिरसूल*	: गुप्त॰ 2	1923 से पूर्व
35	बेटी का धन	: मान॰ 8	1915 नवम्बर	93	स्वांग*	: गुप्त॰ 2	1923 से पूर्व
36	सौत (गोदावरी)	: मान॰ 8	1915 दिसम्बर	94	कोई दुख न हो तो बकरी खरीद लो	: गुप्त॰ 2	1923 से पूर्व
37	दो भाई	: मान॰ 7	1916 जनवरी	95	सौत 2 (रजिया)*	: गुप्त॰ 2	1923 से पूर्व
38	सज्जनता का दण्ड	: मान॰ 8	1916 मार्च	96	लोकमत का सम्मान*	: मान॰ 7	1923 से पूर्व
39	पंच परमे वर	: मान॰ 7	1916 जून	97	नाग पूजा*	: मान॰ 7	1923 से पूर्व
40	घमंड का पुतला	: गुप्त॰ 1	1916 अगस्त	98	सुहाग की साडी'	: मान॰ 7	1923 से पूर्व
41	जुगनू की चमक	: मान॰ 6	1916 अक्तूबर	99	जिहाद*	: मान॰ 7	1923 से पूर्व
42	धोखा	: मान॰ 6	1916 नवम्बर	100	परीक्षा 2(नादिरशाह)*	: मान॰ 3	1923 से पूर्व
43	मर्यादा की वेदी	: मान॰ 6	1917 जनवरी	101	परीक्षा 1 (दीवान)	: मान॰ 8	1923 जनवरी
44	ज्वालामुखी	: मान॰ 8	1917 मार्च	102	राज्य–भक्त	: मान॰ 6	1923 फरवरी
45	उपदे ा	: मान॰ 8	1917 मई	103	बौड़म	: मान॰ 8	1923 अप्रैल
46	ई वरी न्याय	: मान॰ 5	1917 जुलाई	104	नैरा यलीला	: मान॰ 3	1923 अप्रैल
47	महातीर्थ	: मान॰ 7	1917 सितम्बर	105	गृहदाह	: मान॰ 6	1923 जून
48	दुर्गा का मंदिर	: मान॰ 7	1917 दिसम्बर	106	आप बीती	: मान॰ 6	1923 जुलाई
49	कप्तान साहब	: मान॰ 5	1917 दिसम्बर	107	आभूशण	: मान॰ 6	1923 अगस्त
50	बलिदान	: मान॰ 8	1918 मई	108	कौ ाल	: मान॰ 3	1923 अगस्त
51	वफा का खंजर	: गुप्त॰ 1	1918 नवम्बर	109	सत्याग्रह	: मान॰ 8	1923 दिसम्बर
52	सेवा–मार्ग	: मान॰ 8	1919 फरवरी	110	यही मेरी मातृभूमि है*	: मान॰ 6	1924 से पूर्व
53	भांखनाद*	: मान॰ 7	1920 से पूर्व	111	सैलानी बंदर	: गुप्त॰ 2	1924 फरवरी
54	बोध*	: मान॰ 8	1920 से पूर्व	112	वज्रपात	: मान॰ 3	1924 मार्च
55	सच्चाई का उपहार	: मान॰ 8	1920 से पूर्व	113	नबी का नीति निर्वाह	: गुप्त॰ 2	1924 मार्च
56	दफ्तरी	: मान॰ 8	1920 जनवरी	114	मुक्तिमार्ग	: मान॰ 3	1924 अप्रैल
57	आत्माराम	: मान॰ 7	1920 जनवरी	115	मुक्तिधन	: मान॰ 3	1924 मई
58	प ु से मनुश्य	: मान॰ 8	1020 फरवरी	116	सौभाग्य के कोड़े	: मान॰ 3	1924 जून
59	मनुश्य का परमधर्म	: मान॰ 3	1920 मार्च	117	निर्वासन	: मान॰ 3	1924 जून
60	इज्जत का खून	: मान॰ 2	1920 अप्रैल	118	क्षमा	: मान॰ 3	1924 जून
61	ब्रहा का स्वांग	: मान॰ 8	1920 मई	119	नैरा य	.... मान॰ 3	1924 जुलाई
62	पुत्र.प्रेम	: मान॰ 2	1920 जून	120	भूत	.... मान॰ 4	1924 अगस्त
63	मुत्यु के पीछे	: मान॰ 6	1920 सितम्बर	121	उद्धार	.... मान॰ 3	1924 सितम्बर
64	भाांति (गोपा–देवनाथ)	: मान॰ 1	1921 से पूर्व	122	दीक्षा	.... मान॰ 3	1924 सितम्बर
65	बूढी काकी	: मान॰ 8	1921	123	भातरंज के खिलाड़ी	.... मान॰ 3	1924 अक्तूबर
66	विशम समस्या	: मान॰ 8	1921 मार्च	124	विनोद	.... मान॰ 3	1924 नवम्बर
67	विचित्र होली	: मान॰ 3	1921 मार्च	125	सवा सेर गेहूँ	.... मान॰ 4	1924 नवम्बर
68	विमाता	: मान॰ 8	1921 अप्रैल	126	तैंतर	.... मान॰ 3	1924 दिसम्बर
69	लाल फीता	: प्रेम चतुर्थी	1921 जुलाई	127	डिग्री के रूपये	.... मान॰ 3	1925 जनवरी
70	लाग डाट	: मान॰ 6	1921 जुलाई	128	धिक्कार (वं ाीधर–मानी)	.... मान॰ 1	1925 फरवरी
71	आद ि–विरोध	: मान॰ 8	1921 जुलाई	129	नरक का मार्ग	.... मान॰ 3	1925 मार्च
72	प्रारब्ध	: मान॰ 7	1921 अक्तूबर	130	सभ्यता का रहस्य	.... मान॰ 4	1925 मार्च
73	त्यागी का प्रेम	: मान॰ 6	1921 नवम्बर	131	वि वास	.... मान॰ 3	1925 अप्रैल
74	मूठ	: मान॰ 8	1922 जनवरी	132	मन्दिर और मस्जिद	.... गुप्त॰ 2	1925 अप्रैल

133	माता का हृदय	.... मान॰ 3	1925 जुलाई
134	भाड़े का टट्टू	.... मान॰ 3	1925 जुलाई
135	चोरी	.... मान॰ 5	1925 सितम्बर
136	स्वर्ग की देवी	.... मान॰ 3	1925 सितम्बर
137	दण्ड	.... मान॰ 3	1925 अक्तूबर
138	वैर का अन्त*	.... मान॰ 7	1926 से पूर्व
139	बैंक का दिवाला*	.... मान॰ 7	1926 से पूर्व
140	विध्वंस	.... मान॰ 8	1926 से पूर्व
141	लैला	.... मान॰ 3	1926 जनवरी
142	भाृद्रा	.... मान॰ 2	1926 जनवरी
143	मंत्र। (लीलाधर चौबे)	.... मान॰ 5	1926 फरवरी
144	प्रेम सूत्र	.... गुप्त॰ 2	1926 अप्रैल
145	कज़ाकी	.... मान॰ 5	1926 अप्रैल
146	लांछन । (जुगनू–खुर ेद)	.... मान॰ 1	1926 अगस्त
147	तांगे वाले की बड़	.... गुप्त॰ 2	1926 सितम्बर
148	राम लीला	.... मान॰ 5	1926 अक्तूबर
149	निमन्त्रण	.... मान॰ 5	1926 नवम्बर
150	बहिश्कार	.... मान॰ 5	1926 दिसम्बर
151	हिंसा परमोधर्मः	.... मान॰ 5	1926 दिसम्बर
152	बड़े बाबू	.... गुप्त॰ 2	1927 फरवरी
153	सती । (रतन सिंह)	.... मान॰ 5	1927 मार्च
154	भाादी की वजह	.... गुप्त॰ 2	1927 मार्च
155	कामना–तरू	.... मान॰ 5	1927 अप्रैल
156	सुजान भगत	.... मान॰ 5	1927 मई
157	मन्दिर	.... मान॰ 5	1927 मई
158	मांगे की घड़ी	.... मान॰ 4	1927 जुलाई
159	आत्म संगीत	.... मान॰ 5	1927 अगस्त
160	ऐक्ट्रेस	.... मान॰ 5	1927 अक्तूबर
161	बोहनी	.... गुप्त॰ 2	1928
162	मोटेराम जी भाास्त्री	.... गुप्त॰ 2	1928 जनवरी
163	अग्नि–समाधि	.... मान॰ 5	1928 जनवरी
164	मंत्र 2 (डा॰ चड्ढा)	.... मान॰ 5	1928 मार्च
165	दो सखियां	.... मान॰ 4	1928 मई
166	पिसनहारी का कुआं	.... मान॰ 5	1928 जून
167	सुहाग का भाव	.... मान॰ 5	1928 जुलाई
168	दारोगा जी	.... मान॰ 4	1928 अगस्त
169	अभिलाशा	.... मान॰ 4	1928 अक्तूबर
170	विद्रोही	.... मान॰ 2	1928 नवम्बर
171	आगा–पीछा	.... मान॰ 4	1928 दिसम्बर
172	इस्तीफा	.... मान॰ 5	1928 दिसम्बर
173	आंसुओं की होली*	.... मान॰ 5	1929 से पूर्व
174	तथ्य *	.... कफन संस्करण 6	1929 से पूर्व
175	प्रायि चत	.... मान॰ 5	1929 जनवरी
176	खुचड़	.... मान॰ 4	1929 फरवरी
177	गुल्ली डंडा	.... मान॰ 1	1929 फरवरी
178	फातिहा	.... मान॰ 7	1929 मार्च
179	न्याय	.... मान॰ 2	1929 मार्च
180	पर्वत–यात्रा	.... गुप्त॰ 2	1929 अप्रैल
181	मां	.... मान॰ 1	1929 जुलाई
182	अलग्योझा	.... मान॰ 1	1929 अक्तूबर
183	कानूनी कुमार	.... मान॰ 2	1929 अगस्त
184	घर जमाई	.... मान॰ 1	1929 नवम्बर
185	घासवाली	.... मान॰ 1	1929 दिसम्बर
186	कवच	.... गुप्त॰ 2	1929 दिसम्बर
187	दो कब्रें	.... मान॰ 4	1930 जनवरी
188	धिक्कार 2 (पासोनियस)	.... मान॰ 3	1930 फरवरी
189	जुलूस	.... मान॰ 7	1930 मार्च
190	सुभागी	.... मान॰ 1	1930 मार्च
191	समर–यात्रा	.... मान॰ 7	1930 अप्रैल
192	पत्नी से पति	.... मान॰ 7	1930 अप्रैल
193	पूस की रात	.... मान॰ 1	1930 मई
194	भाराब की दुकान	.... मान॰ 7	1930 मई
195	मैकू	.... मान॰ 7	1930 जून
196	आहुति	.... कफन संस्करण–6	1930 नवम्बर
197	उन्माद	.... मान॰ 2	1931 जनवरी
198	जेल	.... मान॰ 7	1931 फरवरी
199	लांछन (देवी–मुन्नू– याम)	.... मान॰ 5	1931 फरवरी
200	ढपोर भांख	.... मान॰ 4	1931 मार्च
201	आखिरी हीला	.... मान॰ 1	1931 अप्रैल
202	होली का उपहार	....कफन संस्करण–6	1931 अप्रैल
203	डिमांस्ट्रे ान	.... मान॰ 4	1931 अप्रैल
204	प्रेरणा	.... मान॰ 4	1931 मई
205	प्रेम का उदय	.... मान॰ 4	1931 जून
206	आखिरी तोहफा	.... गुप्त॰ 2	1931 अगस्त
207	भााप (सैरे दरवे ा)	.... मान॰ 6	1931 अगस्त
208	स्वामिनी	.... मान॰ 1	1931 सितम्बर
209	तावान	.... मान॰ 1	1931 सितम्बर
210	दूसरी भाादी	.... गुप्त॰ 2	1931 सितम्बर
211	दो बैलों की कथा	.... मान॰ 2	1931 अक्तूबर
212	सद्गति	.... मान॰ 4	1931 अक्तूबर
213	लेखक	.... कफन संस्करण–6	1931 नवम्बर
214	सौत 2 (रजिया)	.... गुप्त॰ 2	1931 दिसम्बर
215	अनिश्ट भांका*	.... मान॰ 8	1932 से पूर्व
216	गुप्त धन*	.... मान॰ 8	1932 से पूर्व
217	दुस्साहस*	.... मान॰ 8	1932 से पूर्व
218	चमत्कार	.... मान॰ 2	1932 मार्च
219	गिला	.... मान॰ 1	1932 अप्रैल
220	कुत्सा	.... मान॰ 2	1932 जुलाई
221	झांकी	.... मान॰ 1	1932 अगस्त
222	ठाकुर का कुआं	.... मान॰ 1	1932 अगस्त
223	कुसुम	.... मान॰ 2	1932 अक्तूबर
224	डामुल का कैदी	.... मान॰ 2	1932 नवम्बर
225	बेटों वाली विधवा	.... मान॰ 1	1932 नवम्बर
226	नेउर	.... मान॰ 2	1933 जनवरी
227	कायर	.... मान॰ 1	1933 जनवरी
228	वे या	.... मान॰ 2	1933 फरवरी
229	रसिक संपादक	.... मान॰ 1	1933 मार्च
230	बालक	.... मान॰ 2	1933 अप्रैल
231	ज्योति	.... मान॰ 1	1933 मई
232	कैदी	.... मान॰ 2	1933 जुलाई
233	ईदगाह	.... मान॰ 1	1933 अगस्त
234	दिल की रानी	.... मान॰ 1	1933 नवम्बर
235	भाांति 2 (बाबू जी–पत्नी)	.... मान॰ 7	1934 फरवरी
236	न ा	.... मान॰ 1	1934 फरवरी
237	मनोवृत्ति	.... मान॰ 1	1934 मार्च
238	रियासत का दीवान	.... मान॰ 2	1934 मई
239	जादू	.... मान॰ 2	1934 मई
240	दूध का दाम	.... मान॰ 2	1934 जुलाई
241	पंडित मोटे राम की डायरी	....कफन संस्करण–6	1934 जुलाई
242	मुफ्त का य ा	.... मान॰ 2	1934 अगस्त
243	बासी भात में खुदा का साझा	.... मान॰ 2	1934 अक्तूबर
244	बड़े भाई साहब	.... मान॰ 1	1934 नवम्बर
245	खुदाई फौजदार	.... मान॰ 2	1934 नवम्बर
246	स्मृति का पुजारी	.... मान॰ 4	1935 अप्रैल
247	देवी	.... गुप्त 2	1935 अप्रैल
248	जीवन का भााप	.... मान॰ 2	1935 जून

249	गृहनीति	.... मान॰ 2	1935 अगस्त
250	पेपुजी	.... गुप्त॰ 2	1935 अक्तूबर
251	लाटरी	.... मान॰ 2	1935 अक्तूबर
252	अनुभव*	.... मान॰ 1	1936 से पूर्व
253	मोटर के छींटे*	.... मान॰ 2	1936 से पूर्व
254	मिस पद्मा*	.... मान॰ 2	1936 से पूर्व
255	नया विवाह*	.... मान॰ 2	1936 से पूर्व
256	बाबाजी का भोग*	.... मान॰ 3	1936 से पूर्व
257	गुरू–मंत्र*	.... मान॰ 3	1936 से पूर्व
258	एक आंच की कसर*	.... मान॰ 3	1936 से पूर्व
259	स्त्री और पुरूश*	.... मान॰ 3	1936 से पूर्व
260	आधार*	.... मान॰ 3	1936 से पूर्व
261	मस्तक भोज*	.... मान॰ 4	1936 से पूर्व
262	समस्या*	.... मान॰ 4	1936 से पूर्व
263	तगादा*	.... मान॰ 4	1936 से पूर्व
264	दो बहनें	.... कफन संस्करण–6	1936 अगस्त
265	रहस्य	.... कफन संस्करण–6	1936 सितम्बर
266	कफन	.... कफन संस्करण–6	1936
267	क्रिकेट मैच	कृ गुप्त॰ 2	1937 जुलाई
268	का मरी सेब	.... कफन संस्करण–6	सब से अंतिम कहानी

भौली के आधार पर कहानियों का वर्गीकरण

कथानक के प्रस्तुतीकरण की विभिन्न भौलियां हैं, जिन्हें कहानीकार आवश्यकतानुसार अपनाता है । निम्नलिखित भौलियों को विद्वानों ने कथानक के प्रस्तुतीकरण की प्रमुख भौलियां माना हैं – 1 वर्णनात्मक भौली – डा॰ लक्ष्मी–सागर वार्ष्णेय[27], राजेन्द्र मोहन अग्रवाल[28], दुर्गा ंकर मिश्र[29], डा॰ सुरे ा सिन्हा[30] । 2 आत्म कथात्मक भौली – डा॰ लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, राजेन्द्र मोहन अग्रवाल, डा॰ सुरे ा सिन्हा, दुर्गा ंकर मिश्र । 3 कथोपकथात्मक भौली – राजेन्द्र मोहन अग्रवाल, दुर्गा ंकर मिश्र । 4 डायरी भौली – डा॰ लक्ष्मीसारगर वार्ष्णेय, राजेन्द्र मोहन अग्रवाल, डा॰ सुरे ा सिन्हा । 5 पत्रात्मक भौली – डा॰ लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, दुर्गा ंकर मिश्र, डा॰ सुरे ा सिन्हा । उपर्युक्त भौलियों के अतिरिक्त अन्य भौलियों को भी विद्वानों ने प्रमुखता प्रदान की है, यथा, 6 आत्म चरितात्मक भौली – डा॰ लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय । 7 मनोवि लेशणात्मक भौली – राजेन्द्र मोहन अग्रवाल । 8 स्वप्न भौली – दुर्गा ंकर मिश्र । 9 आंचलिक भौली – (Photo-graphic) डा॰ लक्ष्मीसागर वा र्णेय, डा॰ सुरेश सिन्हा । 10. चेतना प्रवाह भौली– (Stream of consciousness)- डा0 लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, डा0 सुरे ा सिन्हा । 11. पूर्वाभास भौली (फ्लै ा बैक पद्धति)– राजेन्द्र मोहन अग्रवाल । 12. मिश्रित भौली–राजेन्द्र मोहन अग्रवाल ।

उपर्युक्त भौलियों में आत्मचरितात्मक तथा मनोवि लेशणात्मक भौली नयी भौलियां नहीं है इन दोनों का अन्तरभाव आत्मकथात्मक भौली में ही हो जाता है । आत्मचरितात्मक भौली तो आत्मकथात्मक भौली ही है तथा मनोवि लेशणात्मक भौली में पात्र स्वयं अपना वि लेशण करने लगता है, जो आत्मकथात्मक भौली का ही रूप है । उपर्युक्त भौलियों के अवलोकन के उपरांत इन पंक्तियों का लेखक कहानी निम्नलिखित प्रमुख भौलियों को मानता है–1. वर्णनात्मक 2. आत्मकथात्मक 3. कथोपकथानात्मक 4. डायरी भौली 5. पत्रात्मक भौली 6. आंचलिक भौली 7. चेतना प्रवाह भौली 8. स्वप्न भौली 9. पूर्वाभास भौली 10. मिश्रित भौली।

1. वर्णनात्मक (ऐतिहासिक) भौली.– ैली की दृश्टि से प्रेमचन्द की 'दुनियां का सब से अनमोल रतन', सांसारिक प्रेम और दे ा–प्रेम', ' ोक का पुरस्कार', भोख मखमूर', 'पाप का अग्निकुंड', 'ि ाकार', 'रानी सारंध', 'बड़े घर की बेटी', 'विक्रमादित्य का तेगा', 'राजा हरदौल', 'अमावस्या की रात्रि', 'मिलाप', 'अंधेर', 'सिर्फ एक आवाज', 'बांका जमींदार', 'अमृत', 'कर्मो का फल', 'नमक का दारोगा', 'नेकी', 'अनाथ लड़की', 'खून सफेद', 'ि ाकारी राज कुमार', 'अपनी करनी', 'पछतावा', विस्मुति', गैरत की कटार', 'बेटी का धन', 'सौत' । (गोदावरी), 'दो भाई', 'सज्जनता का दंड', 'पंच परमे वर', 'घमंड का पुतला', 'जुगनू की चमक', 'धोखा', 'मर्यादाकी वदी', 'उपदे ा', 'ई वरी न्याय', 'महातीर्थ', 'दुर्गा का मंदिर', 'कप्तान साहब', 'बलिदान', 'वफा का', 'खंजर', ' ंखनाद', 'बोध', 'सचाई का उपहार', 'दफ्तरी', 'आत्मराम', 'प ु से मनु य', मनुश्य का परमधर्म', 'इज्जत का खून', 'पुत्रप्रेम', 'मृत्यु के पीछे', ' ांति (गोपादेवानाथ)', 'बूढ़ी काकी', 'विशम समस्या', 'विचित्र होली', 'लाग डाट', 'आद ि विरोध', 'त्यागी का प्रेम', 'मूठ', 'स्वत्व रक्षा', 'पूर्व संस्कार', 'मनावन', 'मुबारक बीमारी', 'वासना की कड़ियां', 'होली की छुट्टी', 'नादान दोस्त', 'प्रति ाोध', 'देवी' (अनाथ विधवा), 'खूदी', 'राश्ट्र का सेवक', 'बन्द दरवाजा', 'तिरसूल', 'स्वांग', कोई दुख न हो तो बकरी खरीद लो', 'सौत'2 (रजिया) 'लोकमत का सम्मान', 'नाग पूजा', 'जिहाद', 'परीक्षा'2 (नादिरशाह) 'परीक्षा' । (दीवान), 'राज्य भक्त', 'नैरा य लीला', 'गृहदाह', 'आभूशण', 'सत्याग्रह', 'सैलानी बन्दर', 'वज्रपात', 'नबी का नीति निर्वाह', 'मुक्ति मार्ग', 'मुक्ति धन', 'सौभाग्य के कोड़े', 'क्षमा', 'भूत', ' ातरंज के खिलाड़ी', 'सवा सेर गेहूँ', 'तेतर', 'डिग्री के रूपये', 'मंदिर और मसजिद', 'माता का हृदय', 'भाड़े का टट्टू', 'स्वर्ग की देवी', 'दंड', 'बैर का अंत', 'बैंक का दीवाला', 'विध्वंस', 'लैला', ' ूद्रा', 'मंत्र' । (लीलाधर चौबे), 'प्रेम सूत्र', 'बहिश्कार', 'हिंसा परमोधर्मः', 'सती' । (रत्न सिंह), ' ाादी की वजह', 'सुजान भगत', 'मंदिर', 'आत्म संगीत', 'मोटे राम जी भास्त्री', 'अग्नि समाधि', 'मंत्र – डा॰ चड्ढा, पिसनहारी का कुआ', 'सुहाग का भाव', 'आगा पीछा', 'इस्तीफा', 'आंसूओं की होली', 'तथ्य', 'प्रायि चत', 'खुचड़', 'फातिहा', 'मां', 'अलग्योछा', 'घर जमाई', 'घासवाली', 'दो कब्रें', 'धिक्कार' 2 (पासो नियस), 'जुलूस', 'सुभागी', 'समरयात्रा', 'पत्नी से पति', 'पूस की राज', ' ाराब की दुकान', 'मैकू', 'उन्माद', 'होली का उपहार', 'प्रेम का

उदय', 'आखिरी तोहफा', 'स्वामिनी', 'तावान', 'दूसरी भाादी', 'दो बैलों की कथा', 'सदगति', 'लेखक', 'सौत' 2, (रजिया), 'अनिश्ट भांका', 'गुप्तधन', 'दुस्साहन', 'चमत्कार', 'गिला', 'कुत्सा', 'ठाकुर का कुआं', 'डामुल का कैदी', 'बेटों वाली विधवा', 'नेउर', 'रसिक संपादक', 'ज्योति', 'कैदी', 'ईदगाह', 'दिल की रानी', 'रियासत की दीवान', 'दूध का दाम', 'बासी भात में खुदा का साझा', 'खुदाई फौजदार', 'स्मृति का पुजारी', 'देवी', 'जीवन का भााप', 'मिस पद्मा', 'नया विवाह', 'बाबाजी का भोग', 'गुरूमंत्र', 'स्त्री और पुरूश', 'आधार', 'मृतक भोज', 'समस्या', 'तगादा', 'दो बहनें', 'रहस्य', कहानियां वर्णनात्मक (ऐतिहासिक) भौली में आती है ।

2 आत्मकथात्मक भौली – 'ब्रह्म का स्वांग', 'विमाता', 'आप बीती', 'यही मेरी मातृ भूमि है', 'दीक्षा', 'नरक का मार्ग', 'चोरी', 'कजाकी', 'तांगे वाले की बड़', 'राम लीला', 'बड़े बाबू', 'मांगे की घड़ी', 'बोहनी', 'दरोगा जी', 'अभिलाशा', 'विद्रोही', 'गुल्ली डंडा', 'न्याय', 'कवच', 'आखिरी हीला', 'प्रेरणा', ' ााप', (सैरे दरवेश) 'शांति 2 (बाबूजी – पत्नी) 'न ाा', 'मुफ्त का य ा', 'बड़े भाई साहब', 'मोटर के छीटें', 'का मरी सेब', कहानियां आत्मकथात्मक भौली में लिखी गई है ।

3 कथोपकथनात्मक भौली – 'निर्वासन', 'कानूनी कुमार', 'मनोवृत्ति', 'जादू', 'गृहनीति', 'पैपुजी', कहानियां कथोपकथनात्मक भौली में है ।

4 डायरी भौली – 'पंडित मोटेराम की डायरी', क्रिकेट मैच', डायरी प्रणाली में लिखी गई है ।

5 पत्रात्मक भौली – 'दो सखियां', पत्रात्मक भौली के अन्तर्गत आती है ।

6 रूपकात्मक भौली – 'ज्वाला मुखी', 'सेवा मार्ग', 'अधिकार चिंता', 'विजय' रूपात्मक भौली में है ।

7 मिश्रित भौली – 'धर्म संकट', 'लाल फीता', 'प्रारब्ध', 'हार की जीत', 'चकमा', 'कातिल', 'सुहाग की साड़ी', 'बौड़म', 'कौ ाल', 'नैराश्य', 'उद्धार', 'विनोद', 'धिक्कार' (वं ाीधरमानी) 'सभ्यता का रहस्य', 'वि वास', 'लांछन', (जुगनू खुर ाेद) 'निमन्त्रण', 'कामना तरू', 'ऐक्ट्रैस', 'पर्वत यात्रा', 'आहुति', 'जेल', लांछन (देवी–मुन्नू– याम), 'ढपोर भांख', 'झांकी', 'कुसुम', 'कायर', 'वे या', 'बालक', 'लाटरी', 'अनुभव', 'एक आंच की कसर', 'कफन', मिश्रित भौली में लिखी हैं ।

इस प्रकार प्रेमचन्द की 268 कहानियों में से 194 कहानियां वर्णनात्मक भौली में, 28 कहानियां आत्मकथात्मक भौली में, 2 कहानियां डायरी भौली में, एक कहानी पत्रात्मक भौली में, 4 कहानियां रूपकात्मक भौली में, तथा भोश 33 कहानियां मिश्रित भौली में लिखी गई है ।

निश्कर्श –1 प्रेमचन्द की कहानियों की संख्या के विशय में अधिकतर विद्वानों ने अनुमान से काम चलाया है । यही कारण है कि कहानियों की संख्या विद्वानों ने 200 से लेकर 400 तक मानी हैं, जबकि अभी तक प्राप्त कुल कहानियों की संख्या मात्र 268 है । 2 अभी तक विद्वान प्रेमचन्द की पहली कहानी 'पंच परमे वर' (प्रका ात जून, 1916 मान॰ 7) मानते रहे हैं किन्तु प्रेमचन्द की पहली हिन्दी कहानी 'सौत' (गोदावरी) (प्रका ात दिसम्बर, 1915 मान॰8) है । 3 प्रेमचन्द ने अपनी कहानियों के कथ्य को आव यकतानुसार वर्णानात्मक, आत्मकथात्मक, कथोपकथनात्मक, पत्रात्मक, रूपकात्मक एवं मिश्रित भौलियों में प्रकट किया है ।

सन्दर्भ ग्रन्थ

1 प्रेमचन्द्र, उनकी कहानी कला, पृ॰ 62 2 प्रेमचन्द और उनका साहित्य, पृ॰ 185 3 प्रेमचन्द – व्यक्ति और साहित्यकार, पृ॰ 360 4 हमारे प्रतिनिधि लेखक, पृ॰ 95 5 सम्पादक डा॰ इन्द्रनाथ मदान : प्रेमचन्द चिंतन और कला, पृ॰ 99 6 हिन्दी कहानियों का विवेचनात्मक अध्ययन, प ॰ 182 7 प्रेमचन्द एक विवेचन, पृ॰ 5 8 सम्पादिका भाचीरानी गुर्टू : प्रेमचन्द और गोर्की, पृ॰ 113 9 हिन्दी के अर्वाचीन रत्न, पृ॰ 83 10 हिन्दी कहानी, प ॰ 140 11 हिन्दी गद्य विधाएं और विकास, पृ॰ 70 12 हिन्दी गद्य के विविध साहित्य–रूपों का उद्भव और विकास, पृ॰ 224 13 हिन्दी के गद्यकार और उन की भौलियां, पृ॰ 133 14 हिन्दी कहानी, पृ॰ 137 15 हिन्दी कहानी – विधान एवं विकास, पृ॰ 124 16 आधुनिक हिन्दी तथा कथा–साहित्य और मनोविज्ञान, पृ॰ 182 17 संपादिका भाचीरानी, गुर्टू : प्रेमचन्द और गोर्की, पृ॰ 195 18 हिन्दी कहानी (ि ाल्प, इतिहास, आलोचना), पृ॰ 66 19 हिन्दी कहानियों की ि ाल्प–विधि का विकास, पृ॰ 85 20 प्रेमचन्द कहानीकार, पृ॰ 66 21 प्रेमचन्द कहानीकार, प ॰ 72 पर सौत कहानी 184 कहानी संख्या में है तथा पुनः यही कहानी पृ॰ 74 पर 240 कहानी संख्या में गिन ली है । गुप्तधन भाग 2 में सौत (रजिया) नाम की एक ही कहानी है, दो कहानियां नहीं है । 22 सुरेन्द्र आनन्द प्रेमचन्द कहानीकार, पृ॰ 69 पर कहानी–संख्या 60 में है तथा पुनः यही कहानी पृ॰ 74 पर कहानी–संख्या 243 में गिन ली गई है । 23 सुरेन्द्र आनन्द : प्रेमचन्द कहानीकार, पृ॰ 74 पर कहानी–संख्या 244 24 वही, पु0 70 पर कहानी संख्या 115 में मंत्र (लीलाधर चौबे) तथा पृश्ठ 71 पर कहानी संख्या 136 में मन्त्र (डा0 चड्ढा) कहानियां हैं, किन्तु पनु0 75 पर उल्लिखित कहानी–संख्या 261 में भिन्न नाम की कोई भी कहानी मानसरोवर भाग 5 में नहीं है 25 गुप्तधन भाग 1, भूमिका भाग प भठ 5 26 कहानियों की प्रका ान–तिथि अमृतराय : प्रेम चन्द 'कलम का सिपाही' के आधार पर है । जिन कहानियों के आगे ' (चिन्ह) है, उनकी प्रका ान–तिथि श्रीमति गीतालाल के निबन्ध ''प्रेम चन्द का जीवन और साहित्य संबंधी तिथियों में भ्रांतियां'' (त्रैमासिक 'साहित्य' जनवरी, 1960 का अंक, पटना) के आधार पर है । सुरेन्द्र आनन्द, प्रेमचन्द कहानीकार, पृश्ठ 74–75 से उद्धृत । 27 20वीं भाताब्दी हिन्दी साहित्य–नए संदर्भ । 28 हिन्दी साहित्य का नया क्षितिज (डा॰ प्रतापनारायण टंडन का साहित्य) । 29 कहानीकला की आधार ि ालाएं । 30 उपन्यास–ि ाल्प और प्रवृत्तियां।